Result Mitra Daily Magazine

ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS)

✓ **हालिया संदर्भ :**

- सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की है, जिसके अनुसार ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS) से लैस वाहनों के लिये राष्ट्रीय राजमार्गों (NH) एवं एक्सप्रेस-वे (EW) पर प्रत्येक दिशा में प्रतिदिन 20km तक यात्रा करना मुफ्त होगा।

✓ **मुख्य बातें :**

- नए प्रावधान के लिये मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों एवं संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 में संशोधन किया है।
- नया प्रावधान मुख्यतः NH टोल प्लाजा पर भीड-भाड कम करने एवं वास्तविक दूरी के आधार पर टोल वसूलने के उद्देश्य से लाया गया है।

- अधिसूचना के अनुसार, यदि यात्रा की दूरी 20km से अधिक होती है तो कुल दूरी के आधार पर टोल लिया जाएगा।
- GNSS दूरी-आधारित टोलिंग प्रदान करेगा, जहाँ व्यक्ति को उतनी ही दूरी के लिये भुगतान करना होगा, जितनी दूरी उन्होंने NH पर तय की है।
- GNSS से लैस वाहनों को टोल भुगतान या FASTag स्कैनिंग के लिये बिना रूके टोल प्लाजा से गुजरने की अनुमति होगी, जिसके लिये विशेष लेन निर्धारित होगा।
- GNSS डिवाइस गैर-हस्तांतरणीय होगी तथा शुल्क संग्रह के लिये गाडी में मजबूती से फिट कर दी जाएगी।
- GNSS डिवाइस में अग्रिम रीडिंग, पहचान एवं प्रवर्तन उपकरण लगे होंगे, जो GNSS वाहनों के निर्बाध आवाजाही को सुनिश्चित करेंगे।
- अगर कोई वाहन, जो GNSS से लैस नहीं है, के द्वारा GNSS लेन का प्रयोग किया जाता है, उसे दोगुना टोल राशि जुर्माने के रूप में देना होगा।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा प्रवर्तित कंपनी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड ने GNSS-आधारित टोल संग्रह के लिये GNSS-विशिष्ट लेन-निर्माण के लिये वैश्विक टेंडर जारी किया है।

✓ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) :

- यह मुख्यतः राष्ट्रीय एवं राज्यों की राजधानी तथा महत्वपूर्ण शहरों को जोडने वाली सडकें होती है।
- इसका प्रबंधन NHAI द्वारा किया जाता है।
- देश भर में लगभग 600 NH है, जिसकी कुल लंबाई 1.46 लाख किमी. है, जो देश के कुल सडकों का लगभग 1.7% है।
- लगभग 40% सडक परिवहन NH से होता है।
- सबसे छोटा NH 327B है, जिसकी लंबाई 1.2 km है और पश्चिम बंगाल में है।
- NH-44 सबसे लंबा है, जो श्रीनगर से कन्याकुमारी तक विस्तृत है।
- इसकी लंबाई 4,112km है और यह 11 राज्यों से गुजरती है।
- NH पर लगे माइल-स्टोन पीले रंग के होते है।
- NH की आदर्श चौडाई 12 मीटर होती है।

✓ एक्सप्रेस-वे :

- ये सामान्यतः 6-8 लेन वाले NH होते हैं।
- इन पर पहुँच सीमित होती है तथा विशिष्ट स्थलों पर ही ये अन्य सडकों से मिलते हैं।
- सबसे ज्यादा एक्सप्रेस-वे UP में है।

Result Mitra

✓ NHAI :

- यह एक सांविधिक निकाय है।
- इसकी स्थापना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एक्ट, 1988 के तहत की गई थी।
- यह सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधीन है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (NHDP) की शुरूआत राजमार्गों के चौडीकरण, अपग्रेडेशन, नवीनीकरण आदि के लिये किया गया है।
- NHDP के प्रबंधन का दायित्व भी NHAI के पास ही है।

✓ FASTag :

- यह एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) होता है, जो वाहनों के स्क्रीन पर लगा होता है।
- टोल प्लाजा पर RFID रीडर लगा होता है, जो सेंसर की तरह कार्य करता है।
- ये रीडर RFID की वैधता की जाँच करते हैं एवं खाते में पर्याप्त धन रहने पर स्वचालित रूप से टोल-टैक्स काट लेते हैं, जिससे वाहन को टोल-प्लाजा पर अतिरिक्त समय के लिये रूकना नहीं पडता है।

Result Mitra